

>

Title: Need to take measures to control menace of wild animals intruding into human habitats and agricultural fields in Himachal Pradesh.

**श्री विरेन्द्र कृष्णप (शिमला):** आज हमारे भारत देश के बहुत से प्रदेश एक बहुत ही गंभीर समस्या से जूँड़ रहे हैं जिसको मैं आज सरकार के सामने रख रहा हूँ। आज विभिन्न समाचार पत्रों, टी.वी. चैनलों एवं अन्य माध्यम से हमें यह सूचना आए दिन मिलती रहती है कि जंगली जानवरों ने किसी बत्ते को, किसी मठिला को या किसी व्यक्ति को मार डाला या जख्मी कर दिया। साथ ही यह भी समाचार मिलता है कि किसानों की फसलें ऐसे जंगली जानवरों ने तबाह कर दी हैं आदि-आदि। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे देश में इसी प्रकार के जंगली जानवरों खास करके बंदरों, सुअरों, नीलगाय या अन्य जानवरों के आतंक से खास करके किसान बहुत परेशान हैं। हिमाचल प्रदेश की लगभग तीन-चौथाई पंचायतों में इन जंगली जानवरों ने अपना आतंक मता रखा है जिसकी वजह से जट 15 से 20 वर्षों से कई संगठनों द्वारा इसके समाधान व किसानों की फसल को बचाने के लिए प्रदेश से आग्रह किया और प्रदेश सरकार ने मामले की गंभीरता को समझते हुए कई प्रकार के प्रयास किए हैं जिसमें बंदरों की नसबंदी (जो सबसे ज्यादा परेशानी पैदा कर रहे हैं) की योजना शुरू की है। इसी के साथ-साथ प्रदेश की विधान सभा ने एक प्रतात भी पारित कर केन्द्र सरकार से यह आग्रह किया है कि मठात्मा गांधी ग्रामीण योजनार आरंटी योजना के अंतर्गत "रखवाले" नियुक्त कर किसानों की फसल बचाने की बात कही है। मैंने भी इस विषय में सठन के विभिन्न नियमों के अंतर्गत उठाकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। परंतु इस ओर सरकार की ओर से कोई भी कार्रवाई न होने से लोग परेशान हैं।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि इस समस्या की गंभीरता को समझे ताकि किसानों-बाजारों एवं आम आदमी को गऱ्ठत मिल सके।